जागो हे साईं नाथ सो गए हो तुम

पत्थर के बनके पत्थर दिल क्यों हो गए हो तुम,
जागो हे साईं नाथ सो गए हो तुम,

कहते थे तुमको हरपल भगतो के साथ हो,
हो दूर चाहे जितना भी पर उनके पास हो दर दर भटकता हु मैं,
कहा खो गए हो तुम, जागो हे साईं नाथ सो गए हो तुम

चड़ते हुए तूफ़ान भी तुमसे है खौफ खाते,
गहरे भवर भी तेरे आगे है सिर झुकाते,
जिस कश्ती के खावैयाँ साईं हो गए हो तुम,
जागो हे साईं नाथ सो गए हो तुम

ना आस मेरी टूटे गी एस्सास है मुझे,
जाऊ गा न निराश ये विश्वाश है मुझे,
मेरे साथ हर पल हो गए हो तुम,
जागो हे साईं नाथ सो गए हो तुम

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4660/title/jaago-he-sai-nath-kaha-so-gaye-ho-tum-pathar-ke-banke-pathar-dil-kyu-ho-gaye-ho-tum

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |